



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 287]

नई दिल्ली, मंगलवार, जुलाई 5, 1977, आषाढ़ 14, 1899

No. 287]

NEW DELHI, TUESDAY, JULY 5, 1977 ASALHA 14, 1899

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

MINISTRY OF COMMERCE

ORDER

New Delhi, the 5th July 1977

S O. 522(E).—Whereas the Central Government is of opinion in respect of the tea unit known as Chenijan Tea Estate situated in the district of Sibsagar owned by Shri H N Sharma and others, 9, Chowringhee Road, Calcutta-13, that—

- the average yield of the tea unit during the years 1971 to 1975 has been lower than the district average yield by twenty five per cent,
- the persons owning the tea unit have habitually made default in the payment of provident fund dues of workers and other employees, and
- the tea unit is being managed in a manner highly detrimental to the tea industry and to public interest,

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-section (1) of section 16B of the Tea Act, 1953 (29 of 1953), the Central Government hereby appoints for the purpose of making a full and complete investigation into the affairs of the said tea unit, a body of persons consisting of —

- (1) Shri S S Nandkeolyar, Director of Tea Development, Tea Board, Calcutta
- (2) Shri P K. Das Gupta, Financial Adviser and Chief Accounts Officer, Tea Board, Calcutta
- (3) Shri B K. Bhuyan, Agricultural Production Commissioner, Government of Assam, Dispur, Gauhati-6

(4) Shri A. K. Roychowdhury Deputy Adviser (Finance) Bureau of Public Enterprises, Mayur Bhavan, New Delhi.

2 The said body shall submit its report to the Central Government within a period of 90 days from the date of publication of this Order in the Official Gazette.

[No B. 12012(12)/76-Plant (A)]

P K KAUL, Addl. Secy.

जाणिअ संज्ञासय

आदेश

नई दिल्ली, 5 जुलाई, 1977

का. आ. 522 (अ).—केन्द्रीय सरकार की, श्री एच. एन. शर्मा तथा अन्य, 9 चौरंगी रोड कलकत्ता-13 के स्वामित्वाधीन, आसाम के सिवसागर जिले में स्थित चेनी जान टी एस्टेट, जोरहट नामक चाय एकक की बाबत यह राय है कि—

- (क) वर्ष 1971 से 1975 के दौरान इस चाय एकक की औसत उपज जिले की औसत उपज से पच्चीस प्रतिशत कम रही है ;
- (ख) चाय एकक के स्वामियों ने कर्मकारों तथा अन्य कर्मचारियों के भविष्य निर्धि देयों का सदाय करने में बारम्बार व्यतिक्रम किया है ; और
- (ग) चाय एकक का प्रबन्ध ऐसे ढग में किया जा रहा है जो चाय उद्योग तथा लोकहित के लिए बहुत अहितकर है ,

अतः अब केन्द्रीय सरकार, चाय अधिनियम, 1953 (1953 का 29) की धारा 16ख की उपधारा (18) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त चाय एकक के मामलों का पूर्ण और व्यापक अन्वेषण करने के प्रयोजनार्थ व्यक्तियों का एक निकाय नियुक्त करती है जिसमें निम्नलिखित होंगे :—

- (1) श्री एस. एस. नन्दकुलियार, निदेशक, चाय विकास, चाय बोर्ड, कलकत्ता ।
- (2) श्री पी. के. दासगुप्त, वित्तीय सलाहकार और मुख्य लेखा अधिकारी, चाय बोर्ड कलकत्ता ।
- (3) श्री बी. के. भुया, कृषि उत्पाद आयुक्त, आसाम सरकार, दीसपुर, गोहाटी-6/
- (4) श्री ए. के. रायचौधरी, उप-सलाहकार (वित्त) लोक उद्यम ब्यूरो, मयूर भवन नई दिल्ली ।

2 उक्त निकाय इस आदेश के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 90 दिन की अवधि के भीतर अपनी रिपोर्ट केन्द्रीय सरकार को प्रस्तुत करेगा ।

[सं. बी. 12012 (12)/76-प्लान्ट (ए)]

पी. के. कौल, अपर सचिव ।

महा प्रबन्धक, भारत सरकार मद्रासालय, मिनटो रोड, नई दिल्ली द्वारा
माद्रत तथा नियन्त्रक, प्रकाशन विभाग, दिल्ली द्वारा प्रकाशित 1977